बैंकों में अनुवाद की समस्याएँ

डॉ. प्रीता रमणी टी.ई
असोसियेट प्रोफसर
सरकारी महिला महाविद्यालय
तिरुवनंतपुरम।

हिन्दी के राजभाषा घोषित होने के पश्चात् उसका प्रयोजनमूलक पक्ष बलवती होता जा रहा है और सभी क्षेत्रों में उसके प्रयोग का महत्व बढता जा रहा है। इस विकास प्रक्रिया में पारिभाषिक एवं तकनीकी शब्दावली का निर्माण भी पर्याप्त मात्रा में हुआ है। माधव सोनटक्के के अनुसार ""सामान्य भाषा शब्दों की अपेक्षा पारिभाषिक शब्दों की प्रकृति तथा उनका उद्देश्य अलग होता है। इसलिए उसकी अपनी अलग विशेषता होती है। यद्यपि हर ज्ञान शाखा तथा हर विषय की अपनी-अपनी विशेष पारिभाषिक शब्दावली होती है, परंतु इन सभी की प्रकृतिगत विशेषताएँ समान होती है।""1 पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की दिशा में किए गए प्रयासों में केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, बैंक, रेलवे, सेना तथा अन्य कार्यालयों के हिन्दी अनुभागों एवं हिन्दी अधिकारियों का बहुत बडा योगदान रहा है।

राष्ट्रीयकरण से पूर्व बैंकों का सारा कामकाज अंग्रेज़ी के माध्यम से हो रहा था। जब राष्ट्रीयकृत बैंक आम आदमी के समीप पहुँच गये तब बैंकों के लेन-देन की भाषा में भी परिवर्तन आवश्यक हो गया। इसलिए बैंक के संपूर्ण साहित्य को अंग्रेज़ी के साथ-साथ हिन्दी में लाने का भार भी बैंकों पर आ पडे। इसके फलस्वरूप बैंकों में हिन्दी अनुवाद की समस्या उत्पन्न हुई। डॉ.पी. लता के अनुसार, ""16 जुलाई, 1969 में 14 बडे बैंकों तथा 1980 में छह बडे बैंकों के राष्ट्रीयकरण के पश्चात सांविधिक उत्तरदायित्व के पालन केलिए "राजभाषा अधिनियम 1963" की धारा 3(3) में निर्दिष्ट चौदह कागज़ पत्रों को ज़ारी करने में द्विभाषिक (हिन्दी और अंग्रेज़ी की) अनिवार्यता लागू हुई।""2 बैंकिंग के क्षेत्र में हिन्दी का प्रयोग मुख्यतः दो स्तरों पर होता है - राज भाषा के स्तर पर और जनभाषा के स्तर पर। बैंकों में जो अनुवाद कार्य किया जाता है, वह साहित्यिक अनुवाद से पूरी तरह भिन्न होता है। यहाँ एक ही तरीके एवं शैली से अनुवाद कार्य किया जा सकता है। इसप्रकार के अनुवाद कार्य को देखनेवाले अनुवादक या संबन्धित अधिकारी की प्रतिभा बहुमुखी होनी चाहिए। इसके परिणामस्वरूप बैंकों में हिन्दी अनुवाद की समस्या उत्पन्न हुई। बैंकिंग संबन्धी अभिव्यक्ति को समझने की पैनी दृष्टि, शब्द संतुलन की कला तथा वाक्य संरचना का ज्ञान होना ऐसी स्थिति में अनुवादक को कई समस्याओं का सामना करना पडता है। बैंकों में अनुवाद के क्षेत्र में होनेवाली कुछ समस्याएँ इसप्रकार हैं -

1. पारिभाषिक शब्दावली की समस्या

पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग अनुवाद केलिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रारंभ में अलग-अलग बैंकों में शब्दावली की अनेकरूपता के कारण काफी गलतियाँ आती थी। जैसे 'Letter of continuity security' का "निरंतर सुरक्षा का पत्र" गंलत अनुवाद है। इसका सही अनुवाद है - "सतत प्रतिभूति पत्र"। हर क्षेत्र के अनुरूप शब्दों का चयन करना ज़रूरी है। बैंकिंग क्षेत्र भी इसका अपवाद नहीं है। ""बैंकिंग कार्य तकनीकी प्रवृत्ति के होते हैं, इसलिए अनुवाद में ज़रा भी असावधानी अर्थ का अनर्थ पैदा कर देती है और यह अर्थ वित्त से संबन्धित होने के कारण बडा खतरा पैदा कर दव है। अतः तब बैंकिं व्यवसाय में पारिभाषिक शब्दों का विशेष महत्व है।""3 उदाहरण केलिए Governor शब्द का हिन्दी रुपांतर "राज्यपाल" है। किन्तु रिज़र्व बैंक के गवर्नर को "राज्यपाल" नहीं कहा जा सकता, इसलिए बैंकिंग शब्दावली में "गवर्नर" शब्द ही रहने दिया गया है।

2. मानक शब्दावली की समस्या

पूरे बैंकिंग व्यवसाय में एक ही मानक शब्दवली होनी चाहिए। यदि प्रत्येक बैंक अपनी-अपनी शब्दावली बनाने लग जाए तो एक बैंक के दस्तावेज़ों को दूसरे बैंक में समझना मुश्किल हो जाएगा। उदाहरण केलिए अंग्रेज़ी शब्द Director केलिए हिन्दी में "संचालक", "निदेशक", "निर्देशक", "दिग्दर्शक" आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं। लेकिन बैंकिंग में उसकेलिए "निदेशक" शब्द को अपनाया गया है। सभी बैंक कर्मचारियों को इसीका प्रयोग करना चाहिए।

3. समानार्थी शब्द चयन की समस्या

बैंकिंग अनुवाद की सबसे बडी समस्या है समानार्थी शब्द-चयन की समस्या। बैंकिंग क्षेत्र में ऐसे कई शब्दों का प्रयोग किया जा रहा है, जो द्वयार्थक है। इसलिए बैंकिंग क्षेत्र में अनुवाद केलिए बैंकिंग शब्दों का ज्ञन अनिवार्य है। इसके विना कोई अनुवादक बैंकिंग साहित्य का अनुवाद सही ढंग से नहीं कर सकता।

उदाहरण केलिए Advance शब्द का अन्य क्षेत्र में अर्थ है "आगे बढना"। लेकिन बैंकिंग क्षेत्रीय भाषा में इसका अर्थ "अग्रिम"। इसीप्रकार "Security" शब्द का अन्य क्षेत्रों में अर्थ है "सुरक्षा"। लेकिन बैंकिंग के क्षेत्र में इसका अर्थ है "प्रतिभूति"। इसप्रकार के और भी अनेक शब्द हैं जिनके दो अर्थ होते हैं।

4. सन्दर्भानुसार सटीक पर्यायों की समस्या

बैंकिंग साहित्य का अनुवाद करते समय सन्दर्भानुसार सटीक पर्यायों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। बैंकिंग में अंग्रेजी के ऐसे कई शब्द प्रयोग में लाये जा रहे हैं जिनके एक से अधिक अर्थ हैं और सभी अर्थ बैंकिंग व्यवसाय से जुडे हुए हैं। सन्दर्भ के अनुसार इनके विभिन्न अर्थो को समझना एवं परखना अनुवादक का दायित्व है। अनुवादक केलिए स्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा दोनों में सिद्धहस्त होना अनिवार्य है और बौंकिंग विषय की जानकारी प्राप्त करने के बाद ही अनुवाद कार्य में लगना चाहिए। उदाहरण केलिए "collection of cheque" का पर्याय है "चैकों की वसूली"। किसी विशेषा सन्दर्भ में यह ठीक हो सकता है। लेकिन सभी जगह इसी शब्दावली का प्रयोग उचित नहीं लगता। इसकेलिए "चैक एकत्र करना" या "चैक लेना" जैसी अभिव्यक्तियों का प्रसंगानुसार प्रयोग किया जा सकता है।

5. विभिन्न विषयों का ज्ञान

बैंकिंग साहित्य में केवल बैंकिंग, अर्थशास्त्र तथा वाणिज्य से संबन्धित शब्दावली का सही प्रयोग नहीं किया जाता, अपितु उसमें विधि, कृषि, सट्टा-बाज़ार आदि से संबन्धित विभिन्न प्रकार की नवीन एवं जटिल अभिव्यक्तियों का भी प्रयोग किया जाता है। इसलिए अनुवादक को विषय वस्तु की जानकारी भी अपेक्षित है। उदाहरण केलिए सामान्यतः Liquidation शब्द का पर्याय "परिसमापन" है। लेकिन "Liquidation of shares at the time of bearish trend" में Liquidation का अर्थ "परिसमापन" नहीं "शेयर बेचना" है। "The advances will have to be liquidated out of reimbursed receipt from the Government" इस वाक्य में "Liquidated" शब्द का तात्पर्य "निपटाने" या "चुकाने" से हैं। इस प्रकार विषयवस्तु के अनुसार अनुवाद का कार्य करना चाहिए।

6. शब्दावली के अर्थों से परिचित होना

आज बैंकिंग का क्षेत्र इतना व्यापक हो गया है कि इसमें प्रयुक्त पूरी शब्दावली से किसी भी पाठक का परिचित हो जाना कठिन काम है। परंतु आधुनिक बैंकिंग और तकनीकी बैंकिंग की शुरुआत से बैंकिंग साहित्य में नये-नये शब्द प्रयोग में आ रहे हैं। इनके अर्थ से परिचित होना हर अनुवादक केलिए अपेक्षित है। जैसे was the customer's discharge on the safe custody receipt verified with the specimen signature? यहाँ "discharge" का अर्थ है - "हस्ताक्षर"। इसीप्रकार secular growth केलिए "दीर्घकालीन वृद्धि", returns केलिए "व्याज दर", economic sanctions केलिए "आर्थिक प्रतिबन्ध" आदि शब्द प्रयुक्त होते हैं।

7. शब्दों के माध्यम से व्यक्त होनेवाले सूक्ष्म अंतर का ध्यान

यह बात अनुवादक केलिए अपेक्षित है कि वे शब्दों के बीच के सूक्ष्म अंतर की अभिव्यक्ति का ध्यान रखें। जैसे, plan-योजना/ planning -आयोजना /project - परियोजना / scheme - स्कीम।

8. हिन्दी वाक्य-रचना पर अंग्रेज़ी वाक्य-रचना के प्रभाव की समस्या

अनुवादकों को हिन्दी वाक्य-रचना पर अंग्रेज़ी वाक्य-रचना के प्रभाव पर भी ध्यान देना चाहिए। जैसे "The signature which appear below is duly confirmed by me " इसका "मैं उनके हस्ताक्षर का पुष्टीकरण करता हूँ जो नीचे दिया गया है" अनुवाद गलत है। लेकिन "उनके नीचे दिए गए हस्ताक्षर की मैं विधिवत पुष्टि करता हूँ" अनुवाद सही है।

9. शब्दानुवाद की अपेक्षा भावानुवाद

तकनीकी साहित्य यद्यपि पारिभाषिक शब्द-केन्द्रित होता है, तो भी शब्दानुवाद से वाक्य कभी-कभी अटपटे हो जाते हैं। इसलिए हमें वहाँ भावानुवाद करना चाहिए, जो बोधगम्य हो और हिन्दी प्रयोग के अनुसार सहज भी हो। जैसे, "The cheque is outdated"- "चेक की मियाद निकल चुकी है" सही अनुवाद है। लेकिन "चेक गतावधिक है" गलत अनुवाद है। "It is post dated cheque" का "उत्तर दिनांकित चेक" अनुवाद गलत है। लेकिन "आगे की तारीख का चेक" सही अनुवाद है।

10. हिन्दी अभिव्यक्तियों के सही प्रयोगों का ज्ञान

अनुवादक को हिन्दी अभिव्यक्तियों के सही प्रयोगों का ज्ञान होना अनिवार्य है। उदाहरण केलिए - "वह वैंक प्रबन्धक से संवाद भी कर सकता है" गलत प्रयोग है। यहाँ "संवाद" शब्द अंग्रेजी के "dialogue" केलिए आया है। इसके स्थान पर यहाँ "बातचीत" शब्द सही है। "वह बैंक प्रबन्धक से बातचीत भी कर सकता है", यह सही प्रयोग है।

11. संक्षेपाक्षरों की समस्या

बैंकिंग शब्दावली में संक्षिप्तता का बडा महत्त है। तीव्रगति से निपटारे केलिए बैंकिंग में पारिभाषिक शब्दों का संक्षिप्त रूप प्रचलित हो गया है। इन संक्षिप्त शब्दों की सूची बडी लंबी है। इनके उपयुक्त अनुवाद की समस्या भी काफी महत्वपूर्ण समस्या है। संक्षेपाक्षरों के हिन्दी रूपान्तर की तीन पद्धतियाँ प्राप्त होती है।

(1) अंग्रेजी अक्षरों का ज्यों का त्यों देवनागरी में लिखना। जैसे R.B.I - आर.बी.आई / I.R.D.P - आई.आर.डी.पी / C.I.D - सी.आई.डी।

(2) अंग्रेज़ी संक्षिप्त अक्षरों को हिन्दी में अनुवाद करके पूरा लिखना। जैसे D.P.N (Demand Promisary Note) - माँग बचत पत्र / B/F (Brought Forward) -आगे लाया गया।

3. अंगेज़ी संक्षिप्ताआरों को हिन्दी में पारिभाषिक शब्दों के संक्षिप्त रूप में लिखना। जैसे, L.D.B (Land Development Bank) - भू.वि.बैं (भूमि विकास बैंक), C.D.B (Clear Demand Bill) - स्व.माँ.बि (स्वच्छ माँग बिल), B E (Bill of Exchange) बि.प (विनिमय पत्र)।

पदबन्धों का अनुवाद

1. पदबन्ध का अनुवाद शब्द में

कभी-कभी पदबन्धों का अनुवाद शब्दों में करना आवश्यक होता है। जैसे, under consideration - विचाराधीन /subject to approval - अनुमोदनाधीन/ as may be necessary - यथावश्यक।

2. पदबन्ध का अनुवाद पदबन्ध में

अंग्रेजी के कुछ पदबन्धों का अनुवाद हिन्दी में पदबन्धों के रूप में ही करना चाहिए। जैसे in order of priority - प्राथपिकता क्रम से /approval as proposed- यथा प्रस्तावित अनुमोदित / inter alia - अन्य बातों के साथ-साथ।

3. शब्दों केलिए वाक्यों का प्रयोग

कुछ अंग्रेज़ी शब्दों का अनुवाद हिन्दी में वाक्यों के रूप में करते हैं। जैसे, recommended संस्मृति की जाती है/ sanctioned- स्वीकृति दी जाती है।

इसप्रकार स्पष्ट हो जाता है कि भारत में बैंकिंग व्यवसाय का आज जो स्वरूप है वह मूलतः अंग्रेज़ी की देन है। फिलहाल बैंकिंग की नयी सामग्री पहले अंग्रेज़ी में तैयार होती है और उसके बाद बैंकों के राजभाषा-कक्षों की सहायता से हिन्दी में अनूदित होती है। अतः बैंकिंग के क्षेत्र में हिन्दी अनुवाद का मूल आधार उसका अंग्रेज़ी रूप है।

संदर्भ सूची

1. माधव सोनटक्के, प्रयोजमूलक हिन्दी, पृ-19

2. डॉ. पी. लता, प्रयोजनमूलक हिन्दी, पृ-101

3. डॉ. पी. लता, प्रयोजनमूलक हिन्दी, पृ-101